शौर्य वेदनाम उत्सव

चर्चा में क्यों?

7 और 8 मार्च 2025 को बिहार के पूर्वी चंपारण ज़िले के मोतिहारी में **प्रथम शौर्य वेदनाम उत्सव** का आयोजन किया गया।

मुख्य बिंदु

उत्सव के बारे में:

- **उद्देश्य**
  - इस उत्सव का उद्देश्य **भारतीय सशस्त्र बलों की सैन्य शक्ति का प्रदर्शन** करना और **युवाओं व आम नागरिकों को रक्षा बलों के प्रति जागरूक और प्रेरित करना** था।
- **आयोजन और प्रमुख अतिथि**
  - यह उत्सव **रक्षा मंत्रालय और पूर्वी चंपारण ज़िला प्रशासन** के सहयोग से आयोजित किया गया।
  - उत्सव का उद्घाटन **बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान** ने किया और प्रमुख अतिथियों में **राधा मोहन सिंह (रक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष)** लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।
- **सैन्य प्रदर्शन और आकर्षण**
  - इस आयोजन में सेना, नौसेना और वायु सेना की आधुनिक सैन्य तकनीकों और उपकरणों का प्रदर्शन किया गया, जिनमें शामिल थे:
    - भारतीय सेना ने **के-9 वज्र तोप, टी-90 भीष्म टैंक, स्वाति रडार और BMP लड़ाकू वाहन** जैसे उन्नत उपकरणों का प्रदर्शन किया।
    - नौसेना ने **पनडुब्बियों, विध्वंसक जहाजों और विमान वाहकों** के मॉडल प्रदर्शित किये, जिससे नौसैनिक शक्ति का व्यापक परिचय मिला।
    - **भारतीय वायु सेना** ने **फ्लाईपास्ट और लड़ाकू विमानों तथा हेलीकॉप्टरों के प्रदर्शन** के माध्यम से अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया।

मोतिहारी के बारे में:

- मोतिहारी बिहार के पूर्वी चंपारण ज़िले का एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक नगर है।
- यह नेपाल सीमा पर स्थित, पूर्वी चंपारण ज़िले का मुख्यालय है।
- किंवदंती के अनुसार, मोतिहारी का नाम दो व्यक्तियों **मोती सिंह और हरि सिंह** के नाम पर पड़ा।
- यह प्रसिद्ध लेखक **जॉर्ज ऑरवेल** का जन्मस्थान है और **महात्मा गांधी के चंपारण सत्याग्रह** का प्रमुख केंद्र रहा है।
- **दर्शनीय स्थल**
  - **केसरिया बौद्ध स्तूप:** केसरिया में स्थित यह दुनिया के सबसे ऊँचे **बौद्ध स्तूपों** में से है।
  - **अशोक स्तंभ**:लौरिया गाँव में स्थित यह 36½ फीट ऊँचा स्तंभ सम्राट अशोक द्वारा 249 ई० पूर्व में स्थापित करवाया गया था। इसे **"स्तंभ धर्म लेख"** के नाम से भी जाना जाता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/shaurya-vedanam-utsav